भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 23.02.2019

नैनो तकनीक से हल होंगी समाज की चुनौतियां

वाराणसी | निज संवाददाता

आने वाले समय में नैनो तकनीक के जरिये पर्यावरण और स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं को दूर किया जायेगा। आईआईटी बीएचयू में शुक्रवार को नैनोमैटेरियल्स पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर आईआईएससी बेंगलुरु के प्रो. डीडी शर्मा ने यह बात कही। उन्होंने बताया कि नैनो तकनीक में समस्याओं के हल की काफी क्षमता है।

आईआईटी गुवाहाटी के जैव इंजीनियरिंग तथा सोसायटी फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन मैटेरियल्स एंड बायोलॉजी (एसआईआरएमबी) की ओर से आयोजित सम्मेलन में प्रो. शर्मा ने कहा कि नैनोक्रिस्टल भविष्य की वह तकनीक है जिससे विकास की गाथा गढ़ी जाएगी। ऊर्जा या इलेक्ट्रानिक उपकरणों की बात करे अथवा मेडिसिन की, हर क्षेत्र में नैनो टेक्नोलॉजी ने अपनी उपयोगिता को सिद्ध की है।

नैनो-विज्ञान, नैनो-प्रौद्योगिकी और बायोमैटेरियल ने तकनीक के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन ने कहा कि नैनोटेक्नोलॉजी ने नवीन आयामों को जन्म दिया है। आईआईटी-बीएचयू भौतिक विभाग के डॉ. अवनीश सिंह परमार ने कहा कि प्रदूषण के चलते फेफड़ों की बीमारियों में वृद्धि होती है। नैनो-प्रौद्योगिकी के माध्यम से न सिर्फ प्रदूषण की समस्या हल होगी बल्कि इलाज की भी नई विधाओं का सृजन संभव है।

संगोष्ठी के संयोजक प्रो. प्रभाकर सिंह ने बताया कि तीन दिनों के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोधकर्ता अपने पत्र पढ़ेंगे।सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और अन्य देशों से करीब दो सौ प्रतिभागी शिरकत कर रहे हैं।

कार्यशाला

- पर्यावरण और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में होगी कारगर
- आईआईटी बीएचयू में नैनो मैटेरियल्स पर वैश्विक सम्मेलन
- नैनो-प्रौद्योगिकी से इलाज की नई विधाओं का सृजन संभव